सोनीपत से.15-हरियाणा। माननीय मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के शहर में आगमन पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से दीनबंधु छोटू राम यूनिवर्सिटी में जाकर ईश्वरीय सौगात भेंट कर उनका स्वागत करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रमोद बहन।

जयपुर बनिपार्क(राज.)। इंटेलिजेंस प्रशिक्षण अकादमी जयपुर में प्रतिभागियों को राजयोग का महत्व बताने और अभ्यास कराने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. लक्ष्मी बहन व ब्र.कु. कुणाल भाई।

नांगल टीडीआई-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर 50 उच्च स्तरीय पुलिस कर्मियों के लिए आयोजित 'तनाव मुक्ति' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए पुलिस उपायुक्त गौरव कुमार, गिनीज़ बुक में नाम प्राप्त बहन अदिति सिंघल, डायनैमिक माइंड ग्रुप के सह संस्थापक सुधीर सिंघल, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गीता बहन एवं ब्र.कु. पूजा बहन।

कुरुक्षेत्र-हरियाणा। जल जन अभियान के अंतर्गत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा ईशानी चाइल्ड केयर स्कूल रेलवे रोड कुरुक्षेत्र में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. मीनाक्षी बहन, ब्र.कु. सुनीता मित्तल, स्कूल की प्रिंसिपल व स्टाफ मौजूद रहे।

मोतिहारी-बिहार। नगर के बनिया पट्टी सेवाकेन्द्र पर पंडित छोटे लाल मिश्रा संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य शैलेंद्र कुमार सिन्हा के साथ ज्ञानचर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विभा बहन। साथ हैं बहन मुक्ता।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी
ब्र.कु. गीता दीदी,माउण्ट आबू

ज़रा सोचें...

रिएक्ट नहीं, रियलाइज़ कर हर परिस्थिति को पार करना है

हमारा सौभाग्य है कि हमें बाबा रोज़ सत्य ज्ञान देते हैं, और हम ले रहे हैं कि क्यों मेरी अवस्था नहीं बनती। बहुत शास्त्र सुनते थे, बहुत कथायें सुनते थे, बहुत गुरुओं के प्रवचन सुनते थे, क्योंकि बेसिक ज्ञान नहीं था ना! मूल चीज़ें नहीं पता थीं। कथायें सुनाते हैं, कहानियां सुनाते हैं, मूल्यों के वैल्यूज़ की बातें सुनाते हैं, पर बिना आध्यात्मिकता, गुण भी टिक नहीं सकते। क्योंकि गुणों का कनेक्शन तो आत्मा से है ना। गुण तो आत्मा में धारण होते हैं।

तो रोज़ सुबह हम बाबा की सुनते हैं, वो मूल सत्य ज्ञान बाबा हमें देता है। बिल्कुल सरल शब्दों में, सरल तरीके से बाबा समझाते हैं। पर सत्य बातें समझाते हैं। बाकी और किसी के पास, बाबा कहते हैं ना कि – जैसे योग है, योग की लम्बी-चौड़ी विधि, रीति, आसन, प्राणायाम, साधन ये सब बतायेंगे, पर किसको योग किसके साथ लगाना है वो कोई बता नहीं सकता। वहाँ वो यही बता देते हैं कि – आप अपने-अपने इष्ट को याद करो। परम कौन है? वह पता ही नहीं।

तो जीवन है माना परिस्थितियां तो आनी ही हैं। हम सबको बाबा ने समझा दिया है – "यह 'कलियुग' अन्त का समय है, जितनी भी विचित्र परिस्थितियां हो सकती हैं, वो अभी होंगी।" है ना! बाबा कहते है ना – 'अति पर जाकर अंत होना है'। 'अति' का 'अंत' होता ही है। तो ये भी सब अति पर जायेंगे। तो कहते हैं ना कि जो ख्यालों में, ख्वाबों में भी नहीं होगा ऐसा-ऐसा हो रहा है। और वो आप सब जानते भी हैं – क्या-क्या संसार में हो रहा है। हम सबके सामने भी ये परिस्थितियां हैं क्योंकि हम इस दुनिया के बीच में है। इन परिस्थितियों का सामना हमें भी करना होगा। तो ये अन्त का समय है। अति के अंत का समय है। इसलिए रोज़ की मुरली(परमात्म महावाक्य) में आप देखें, कोई भी मुरली ऐसी नहीं होगी जिसमें बाबा ने विनाश की बात न कही हो। रोज़ कुछ-न-कुछ, कुछ-न-कुछ बाबा बताते हैं। कई भाई-बहनें सोचते थे कि बाबा बरसों से कहते आ रहे हैं, होता तो कुछ नहीं है। ऐसा सोच कर अलबेले हो जाते हैं। पर कोई पूछ के तो होना नहीं है। कोरोना जैसी बीमारी आयेगी और ऐसा लॉकडाउन होगा, जीवन, परिवार, नौकरी-धन्धों पर ऐसा असर पड़ेगा, किसी ने सोचा था! कितने-कितने धनाढ्य देश, कितनी टेक्नोलॉजी में एडवान्स देश, कितने साइन्स में मॉडर्न बने हुए देश, पर सारे एक लाइन में आ गये। सबके सामने परिस्थितियां। तो परिस्थितियां तो आनी ही हैं। बाबा के बने तो भी हमारे सामने ऐसी परिस्थितियां क्यों आती हैं, सोचते हैं ना ऐसा कई! भाई, हम तो अपने सुधार और उद्धार के लिए बाबा के बने हैं। भगवान के बने हैं तो हमने जो हिसाब-किताब पूर्व जन्मों में बनाये, वो माफ़ कर दिये जायें क्या? हिसाब-किताब तो चुकाने ही हैं।

कर्म का सिद्धान्त तो बहुत अचल-अडोल है। इसलिए अचल-अडोल स्थिति रखनी है, तो कर्म की गति को भी अच्छी तरह समझ के चलना है। कई सोचते हैं ना – कि भाई मेरे सामने ही ऐसी परिस्थितियां क्यों आती हैं? मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है? वो दूसरों के साथ तो बहुत अच्छा चलता है, मेरे साथ ही ऐसा व्यवहार क्यों करता है? उसी में ही उसका जवाब है कि मेरे साथ ही क्यों करता है। कोई हिसाब है ना, तब तो करता है। अगर वो मूल रूप से ही खराब व्यक्ति होता तो सबके साथ बुरा व्यवहार करता। पर वो दूसरों के साथ अच्छा कर रहा है और मेरे साथ नहीं कर रहा है। माना कि मेरा और उसका हिसाब ठीक नहीं है। तो परिस्थितियों को हम टाल नहीं सकते। हाँ, हम क्रियेट न करें, अपने व्यवहार से, अपने कर्म से, नये हिसाब-किताब खड़े न करें ये हमारे ऊपर निर्भर है। और ये तो बाबा ने हमें सिखाया है कि कैसे हमें सोचना है, कैसा बोलना है, कैसा देखना है, कैसा व्यवहार करना है, सबके साथ कैसा चलना है, वो तो बाबा ने विधि हमें सिखाई है। और रोज़ सिखाते हैं वही। ताकि नये हिसाब-किताब हम न बनायें, पर बने हुए हिसाब-किताब तो हमें चुकाने ही हैं।

कर्म का सिद्धान्त तो बहुत अचल-अडोल है। इसलिए अचल-अडोल स्थिति रखनी है, तो कर्म की गति को भी अच्छी तरह समझ के चलना है। अगर ये रियलाइज़ेशन हर कदम है, तो आपका व्यवहार ऊँचा ही रहेगा और आप हर परिस्थिति को सहज पार कर लेंगे।

तो अगर ये समझ बुद्धि में है तो कैसा भी कोई उटपटांग व्यवहार करे, या कैसी भी बातें आये, हम घबरायेंगे नहीं। रिएक्ट नहीं करेंगे। रिएक्ट नहीं करेंगे कि - उसने ऐसा किया तो मैं भी ऐसा करूंगी। दो बोला उसने, चार बोलूंगी। है ना! नहीं। हम कौन हैं और हमें भगवान ने क्या सिखाया, अगर ये रियलाइज़ेशन हर कदम है, तो आपका व्यवहार ऊँचा ही रहेगा। क्योंकि आप भगवान के बच्चे हैं। आपको ये महसूसता है।

मुकेरियां-पंजाब। पौधारोपण करते हुए बीजेपी महिला मोर्चा पंजाब की सचिव अंजना कटोच, सरपंच राज कुमार, ब्र.कु. सुनीता बहन तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

दिल्ली-रोहिणी से.7। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सर्वोदय को-एड सीनियर सेकेंडरी स्कूल रोहिणी से.7 में कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्कूल के इंचार्ज भारत भूषण, ब्र.कु. विमला बहन,ओम विहार सेवाकेन्द्र संचालिका, ब्र.कु. राधा बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका तथा 200 विद्यार्थीगण।

हल्द्वानी-उत्तराखण्ड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र में आने पर सिटी एस.पी. हरवंश सिंह को ईश्वरीय सौगात व ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. नीलम बहन।

मोतिहारी-बिहार। मेयर प्रीति गुप्ता को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पूनम बहन।